JSUNIL TUTORIAL

UYQGL03

संकलित परीक्षा - I (2015-16)

हिन्दी 'ब'

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के चार **खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निकला कि देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की ज़रूरत है। जो सज्जन अपने को इस पद के योग्य समझें, वे वर्तमान दीवान सुजान सिंह की सेवा में उपस्थित हों। यह ज़रूरी नहीं कि वे ग्रेजुएट हों मगर हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक है। मंदाग्नि के मरीजों को यहाँ तक कष्ट उठाने की कोई ज़रूरत नहीं। एक महीने तक उम्मीद्वारों के रहन-सहन, आचार विचार की देखभाल की जाएगी। विद्या कम परंतु कर्तव्य का अधिक विचार किया जाएगा। जो महाशय इस परीक्षा में पूरे उतरेंग वे इस उच्च पद पर सुशोभित होंगे। इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में तहलका मचा दिया। ऐसा ऊँचा पद और किसी प्रकार की कैद नहीं ? केवल नसीब का खेल है। सैकड़ों आदमी अपना-अपना भाग्य परखने के लिए चल पड़े। देवगढ़ में नए-नए और रंग बिरंगे मनुष्य दिखाई देने लगे आवश्यकता है -

(i) दूसरे दिन अखबार में विज्ञापन निकला देवगढ़ के लिए आवश्यकता हैं -

(क) सुयोग्य दीवान की (ख) सुयोग्य राजा की

(ग) सुयोग्य सहायक की (घ) सेनापति की

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

(ii) पद के लिए आवश्यक था कि उम्मीदवार -

(क) ग्रेजुएट हो (ख) हृष्ट-पुष्ट हो

(ग) प्रत्येक कार्य में निपुण हों (घ) धार्मिक कार्यों में पारंगत हो

(iii) मंदाग्नि के मरीजों को सलाह दी गई-

(क) अवश्य ही उपस्थित होने की। (ख) वहाँ तक न आने की।

(ग) यथासंभव उपस्थित होने की। (घ) अपना इलाज कराने की।

(iv) दीवान पद के लिए विचार किया जाना था विद्या की अपेक्षा -

(क) कर्तव्य पर। (ख) योग्यता पर।

(ग) कर्तव्य और योग्यता पर। (घ) धन की अधिक माँग पर।

(v) 'मुल्क' शब्द का पर्यायवाची नहीं है-

(क) देश (ख) वतन (ग) धरती (घ) राष्ट्र

2 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए -** 5

छात्रावस्था में मित्रता की धुन सवार रहती है। मित्रता हृदय से उमड़ी पड़ती है। पीछे के जो स्नेह-बंधन होते हैं, उनमें न तो उतनी उमंग शेष रहती है, न उतनी खिन्नता। बाल-मैत्री में जो मग्न करने वाला आनंद होता है, वह और कहाँ ? कैसी मधुरता और कैसी अनुरक्ति होती है। कैसा अपार विश्वास होता है ? हृदय से कैसे-कैसे उद्‌गार निकलते हैं। वर्तमान कैसा आनंदमय दिखाई पड़ता है। भविष्य के सम्बन्ध में कैसी लुभानेवाली कल्पनाएँ मन में रहती हैं। कितनी बातें अच्छी लगती हैं और कितनी जल्दी मान जाना होता है। 'सहपाठी की मित्रता' इस उक्ति में हृदय की कितनी भारी उथल-पुथल का भाव भरा हुआ है। किन्तु जिस प्रकार युवा-पुरुष की मित्रता स्कूल के बालक की मित्रता से दृढ, शांत और गम्भीर होती है, उसी प्रकार हमारी युवावस्था के मित्र बाल्यावस्था के मित्रों से कई बातों में भिन्न होते हैं।

(i) प्राय: मित्रता की धुन सवार होती है :

(क) बाल्यावस्था में (ख) वृद्धावस्था में

(ग) छात्रावस्था में (घ) युवावस्था में

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

(ii) इनमें से कौन-शब्द मित्र शब्द का पर्यायवाची नहीं है?

(क) दोस्त (ख) यार (ग) रिपु (घ) सुहृद

(iii) बाल्यावस्था में भविष्य के सम्बन्ध में व्यक्ति की मन:स्थिति में सर्वाधिक लुभानेवाली होती हैं :

(क) विविध कल्पनाएँ (ख) अनेक भावनाएँ

(ग) मित्रता की ललक (घ) आनंद की अनुभूतियाँ

(iv) 'मधुरता' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय हैं :

(क) मधुर + ता (ख) मधु + रता

(ग) मधुरत + आ (घ) मधुर् + अता

(v) स्कूल के बालक की मित्रता में होने वाली जो विशेषता कहलाती है :

(क) चंचलता। (ख) स्थिरता।

(ग) दृढ़ता, शांति और गंभीरता। (घ) मृदुलता।

3 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

खड़ा मंच ललकार रहा, महका माहौल हमारा है,

नज़र लगा मत अरे मुशर्रफ, यह कश्मीर दुलारा है।

कानन-उपवन-पर्वत-पानी, लहकी-लहकी घाटी में,

झीलों में तिरती फसलों की सवारी -सोंधी माटी में,.

नौका-निर्मित आवासों के स्नेहिल मधु-मुसकानों में

पुरुखों की संस्कृति में गमका कण-कण है परिपाटी में,

कदम बढ़ा, नापाक! भूमि पर, टांग तोड़ विदगा देंगे,

जगमग-ज्योति-किरण-कवलित नयनों का सुधर सितारा है।

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

यह कश्मीर दुलारा है।

(i) 'जगमग-ज्योति-किरण-कवलित नयनों का सुधर सितारा है' - इस काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(क) यमक (ख) श्लेष (ग) अनुप्रास

(घ) रूपक

(ii) झील में क्या तिरते हैं ?

(क) लोगों की सवारी (ख) फसलों की सवारी (ग) मछलियाँ

(घ) नौका

(iii) कश्मीर कैसा है ?

(क) दुलारा (ख) सुंदर (ग) प्यारा

(घ) असुंदर

(iv) आवास किस तरह के बने थे ?

(क) ऊँचे (ख) नौका की तरह (ग) चौकोर

(घ) जहाज जैसे

(v) कदम कहाँ बढ़ाए गए ?

(क) घर पर (ख) बाहर (ग) पहाड़ पर

(घ) भूमि पर

4 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

स्तब्ध ज्योत्स्ना में जब संसार ,

चकित रहता शिशु-सा नादान;

विश्व के पलकों पर सुकुमार,

विचरते हैं जब स्वप्न अजान;

न जाने, नक्षत्रों से कौन ;

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

निमंत्रण देता मुझको मौन।

सधन मेघों का भीमाकाश,

गरजता है जब तमसाकार,

दीर्घ भरता समीर नि:श्वास,

प्रखर झरती जब पावस-धार

न जाने, तपक तड़ित में कौन

मुझे इंगित करता तब मौन !

(i) कविता में वर्णन है, :

(क) प्रकृति का। (ख) आकाश का।

(ग) नगर का। (घ) चाँदनी का।

(ii) काव्यांश में शिशु-सा नादान किसे बताया गया है ?

(क) प्रकृति को। (ख) संसार को।

(ग) बच्चे को। (घ) मनुष्य को।

(iii) रात्रि के समय संसार के लोगों की पलकों में जो छा जाते हैं वे हैं,:

(क) आशा के सूक्ष्म तंत्र। (ख) निराशा की कालिमाएँ।

(ग) दु:ख की छायाएँ। (घ) अनजाने सपने।

(iv) कवि को नक्षत्रों को देखकर यह आभास होता है कि मानो वे,:

(क) शिकायत कर रहे हैं।

(ख) प्रार्थना कर रहे हैं।

(ग) प्रशंसा कर रहे हैं।

(घ) चुपचाप अपनी ओर आकृष्ट कर रहे हैं।

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

(v) कवि के अनुसार पावस-धार कैसी प्रतीत हो रही है ?

(क) प्रखर होकर झरती हुई। (ख) शांत और सुखद।

(ग) अशांत और स्तब्ध। (घ) मंद-मंद।

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए : 5

संतुलन, सत्यनिष्ठा

(ख) उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करते हुए मानक रूप लिखिए

दण्ड

(ग) उपयुक्त स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कीजिए :

लगड़ा

(घ) उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

नजर

6 (क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए : 4

(i) स्नेह + आकांक्षी (ii) सु +अल्प

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए :

(i) अन्वेषण (ii) शब्दार्थ

7 (क) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग को अलग - अलग कीजिए। 6

चिरस्थायी, सहोदर

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

(ख) निम्नलिखित शब्द में से मूल शब्द व प्रयुक्त प्रत्यय को अलग - अलग कीजिए।

आरोही,

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाकर लिखिए।

(i) महात्मा गांधी ने कहा सत्य ही ईश्वर है !

(ii) अर्थशास्त्र कहता है,आवश्यकता अविष्कार की जननी है !

(iii) तुम्हें यहाँ अच्छा लग रहा है न"मैं जानता हूँ"।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक)

8 **पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** (2+2+1)

(i) सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर क्या हुआ? 'तुम कब जाओगे अतिथि' पाठ के आधार पर लिखिए। 2

(ii) लेखक भगवाना की माँ की सहायता करना चाहते हुए भी क्यों न कर सका? 'दुख का अधिकार' पाठ के आधार पर लिखिए। 2

(iii) कर्नल खुल्लर ने बचेन्द्री के एवरेस्ट शिखर पर सफलतापूर्वक पहुँचने पर सर्वप्रथम किसको बधाई देनी चाही? 1

9 'अखाड़े की मिट्टी में सनकर ही पहलवान विश्व विजेता बनते हैं।' मिट्टी के इस योगदान के आलोक में पहलवान के जीवन में मिट्टी के महत्व पर अपने विचार लिखिए। 5

10 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2+2+1)** 5

Scanned by CamScanner

JSUNIL TUTORIAL

शिशु भोलानाथ के संसर्ग से तो 'मैले जो करत गात' की नौबत आई, अखाड़े की मिट्टी में सनी हुई देह से तो कहीं उबकाई ही आने लगे। जो बचपन में धूल से खेला है, वह जवानी में अखाड़े की मिट्टी में सनने से कैसे वंचित रह सकता है? रहता है तो उसका दुर्भाग्य है और क्या! यह साधारण धूल नहीं है, वरन् तेल और मट्ठे से सिझाई हुई वह मिट्टी है, जिसे देवता पर चढ़ाया जाता है। संसार में ऐसा सुख दुर्लभ है। पसीने से तर बदन पर मिट्टी ऐसे फिसलती है, जैसे आदमी कुआँ खोदकर निकला हो। उसकी मांसपेशियाँ फूल उठती हैं, आराम से वह हरा होता है, अखाड़े में निर्द्वंद्व चारों खाने चित्त लेटकर अपने को विश्वविजयी लगाता है। मिट्टी उसके शरीर को बनाती है क्योंकि शरीर भी तो मिट्टी का ही बना हुआ है।

(क) लेखक ने मिट्टी के महत्व को किन बातों से सिद्ध किया है?

(ख) 'तेल और मट्ठे से सिझाई हुई मिट्टी' से लेखक का क्या आशय है?

(ग) मिट्टी कैसे पहलवान को विश्वविजेता बनाती है?

पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)

11(i) कवि रैदास ने भगवान और भक्त की तुलना किन-किन चीजों से की है? 2

(ii) नेमतखाने से क्या तात्पर्य है? नेमतखाने वाले आदमी का उल्लेख नज़ीर अकबराबादी ने क्यों किया है? 2

(iii) 'सब साधे सब जाय' का क्या आशय है? 1

12 कैसे कहा जा सकता है कि रैदास भक्त कवि के साथ-साथ एक समाज-सुधारक संत भी थे? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए। 5

13 त्रिपुरा में बाहरी लोगों के आने से क्या-क्या समस्याएँ उत्पन्न हुईं? बाहरी आगमन ने वहाँ के जन-जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया? 'कल्लू कुम्हार की उनाकोटि' पाठ के आधार पर लिखिए। 5

Scanned by CamScanner

खण्ड घ

JSUNIL TUTORIAL

(लेखन)

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर **किसी एक** विषय पर लगभग **80 से 100** शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

14(i) **कवि सम्मेलन का आँखों देखा हाल** 5

- आयोजन का समय एवं उपलक्ष्य
- आमंत्रित कवि और कविता के प्रकार
- लाभ और प्रेरणा

(ii) **ट्रैफिक जाम में फँसा 'मैं'** 5

- ट्रैफिक की समस्या का आधार
- लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी
- सुधार के उपाय

(iii) **इंटरनेट का जीवन में उपयोग** 5

- इंटरनेट क्या है?
- लाभ–समय की बचत, शिक्षा में सहायक
- उपयोग के सुझाव

15 आप सोनीपत में रहने वाले तुषार हैं। ग्रीष्मावकाश में आपके पर्वतीय मित्र नीरज ने आपको आमंत्रित कर अनेक दर्शनीय स्थलों की सैर कराई। इसके लिए उसका आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद पत्र लिखिए। 5

Scanned by CamScanner

16 दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग **20-30** शब्दा म प्रस्तुत काजए। 5
विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही संबद्ध होना चाहिए।

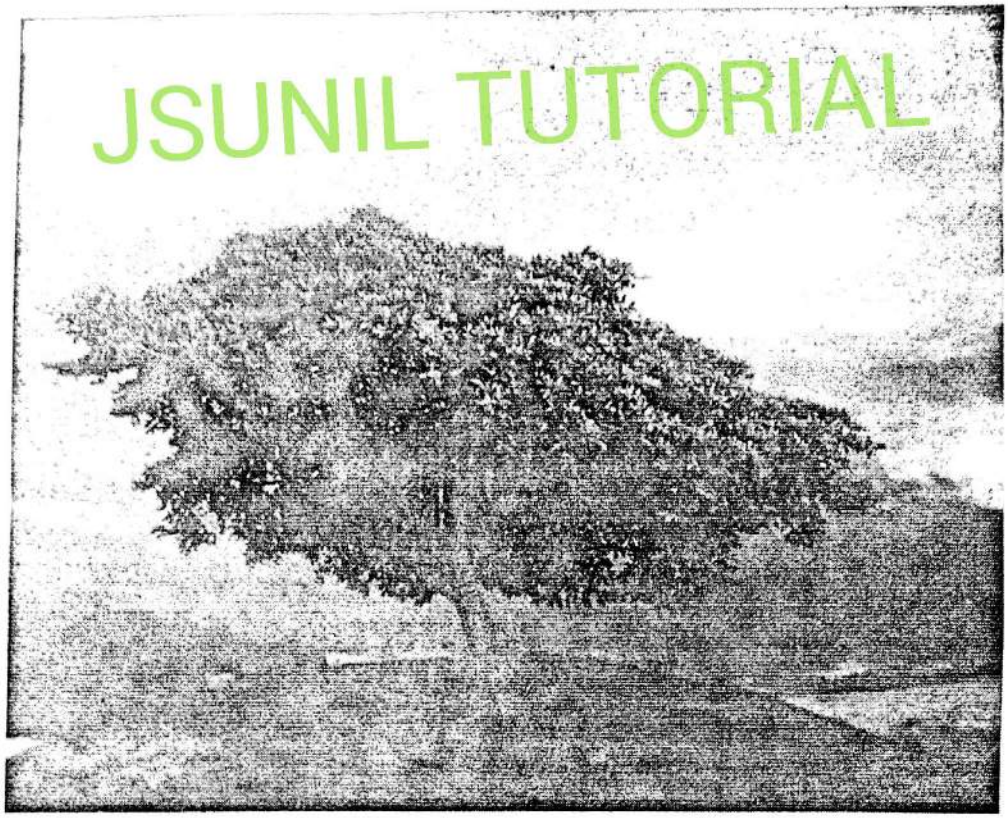
JSUNIL TUTORIAL

17 'हमारा गौरवशाली अतीत और आधुनिकता का आवरण ओढ़े वर्तमान', विषय पर दो मित्रों के बीच में होने वाले 5
वार्तालाप लिखिए।

18. आपका छोटा भाई एक महीने से लापता है। उसको ढूँढ़ने हेतु अख़बार में देने के लिए 5
20-25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

-o0o0o0o-

Scanned by CamScanner